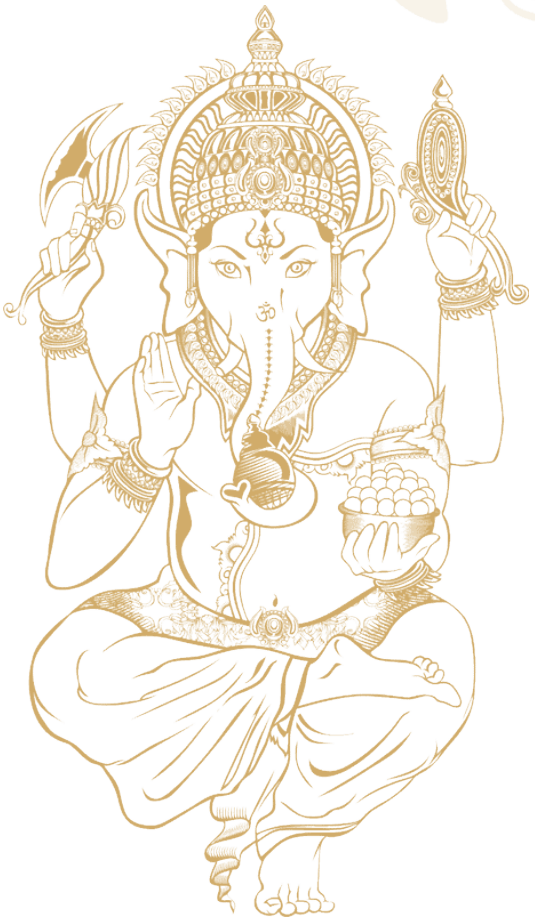

Ankit Gupta

Arushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121551505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/11/1996	जन्म तिथि	04/09/2000
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 05:24:00	जन्म समय	21:12:00 घंटे
घटी 56:13:18	जन्म समय(घटी)	38:01:33 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Kurukshetra
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	29:59:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:40	सूर्योदय	06:01:16
17:20:48	सूर्यास्त	18:41:17
23:48:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:44

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 6मा 5दि		20:03:51	तुला	लग्न	मेष	13:03:00	शनि 13वर्ष 10मा 8दि	
गुरु		10:11:26	वृश्चि	सूर्य	सिंह	18:32:23	बुध	
02/06/2024		19:58:47	वृष	चंद्र	वृश्चि	06:56:36	14/07/2014	
02/06/2040		20:13:27	सिंह	मंगल	कर्क	28:18:56	14/07/2031	
गुरु	21/07/2026	23:29:13	वृश्चि	बुध	कन्या	00:37:32	बुध	10/12/2016
शनि	31/01/2029	23:30:17	धनु	गुरु	वृष	16:21:47	केतु	07/12/2017
बुध	09/05/2031	09:48:14	तुला	शुक्र	कन्या	11:39:54	शुक्र	07/10/2020
केतु	14/04/2032	06:50:45	मीन व	शनि	वृष	07:03:40	सूर्य	13/08/2021
शुक्र	14/12/2034	12:34:46	कन्या व	राहु व	मिथु	29:31:58	चन्द्र	13/01/2023
सूर्य	02/10/2035	12:34:46	मीन व	केतु व	धनु	29:31:58	मंगल	10/01/2024
चन्द्र	31/01/2037	07:44:37	मक	हर्ष व	मक	24:02:55	राहु	29/07/2026
मंगल	07/01/2038	01:51:05	मक	नेप व	मक	10:21:40	गुरु	03/11/2028
राहु	02/06/2040	09:13:13	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:21:00	शनि	14/07/2031

लग्न-चलित

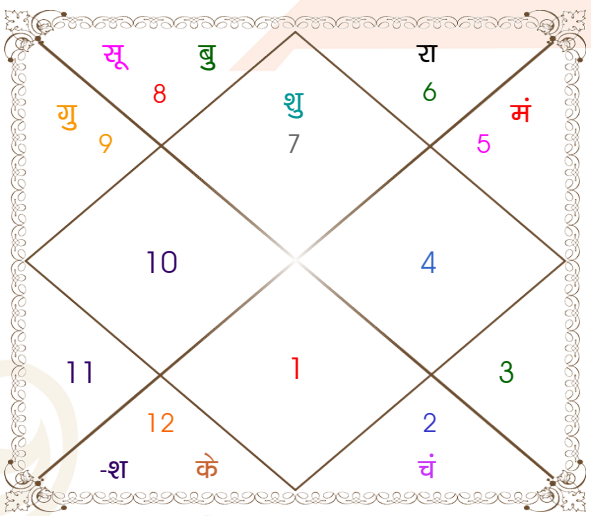

लग्न-चलित

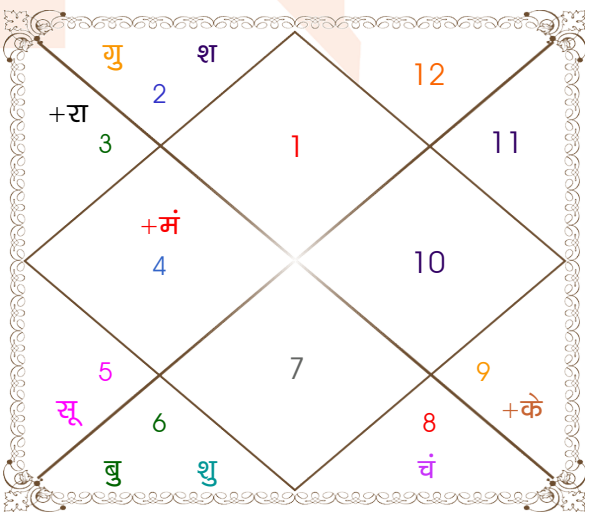

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

।दापज ळनचजं का वर्ग मृग है तथा ।तनेीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दापज ळनचजं और ।तनेीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दापज ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

।तनेीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।तनेीप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।तनेीप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।दापज ळनचजं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दापज ळनचजं तथा ।तनेीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।